यीशु घरों में (परिवारों में) प्राय. मिलने जाता था

जो बालकों को शिक्षा देते हैं, उनको बालकों का अध्ययन v 2 b उपयोग करना चाहिऐ

प्रार्थना: ''प्रिय प्रभु, आप हमारे बीच में रहने तथा हमारे घरों (परिवारों)में मिलने आये। उस तरह से आपने हमारे प्रति प्रेम जताया तथा हमारे लिये मुक्ति लाये। कई लोगों ने आपको नहीं पहचाना और ना ग्रहण किया। आपके बारे में जानने को हमारी आँखे खोलने के लिये आपका धन्यवाद। आपका सुसमाचार अन्य लोगों तक, जिन्हें आपकी आवश्यकता है, ले जाने में हमारी सहायता करें।''

1) अपने मास्तिष्क को प्रार्थना तथा यीशु के उदाहरण के अध्ययन द्वारा तैयार करें

लूका 19:1-10 में देखें कि जक्कई और उसके परिवार की ओर मुक्ति कैसे आई। (उत्तर साथ है)

- जक्कई ने यीशु तथा उसके संदेश में रूचि कैसे दिखाई? *(पद 3 देखें)*
- यीशु ने जक्कई के प्रति अपना प्रेम तथा क्षमा को कैसे प्रकट किया? *(पद 5 देखें)*
- जक्कई से बोले गणे यीशु द्वारा शब्दों से सब चकित क्यों थें? *(पद 7 देखें)*
- जक्कई ने अपना पश्चाताप तथा अपना आभार किस प्रकार प्रकट किया? *(पद 8 देखें)*
- यीशु ने जक्कई से उसके घर में मिलने को क्यों कहा? *(पद 10 देखें)*

प्रेरितों के काम अध्याय 10 में देखें, कि कुरनेलियुस, उसके परिवार तथा उसके कई मित्रों को मुक्ति कैसे मिली।

- परमेश्वर ने पतरस को उन लोगों से मिलने के लिये कैसे तैयार करा, जो यहूदी रिवाज़ों का अभ्यास नहीं करते थे? *(पद 9-16 देखें)*
- कुरनेलियुस से मिलने पतरस के साथ कौन गया? *(पद 23 देखें)*
- कुरेनलियुस के घर में पतरस की कौन प्रतीक्षा कर रहा था? *(पद 24 देखें)*
- पतरस ने अपना संदेश देने से पहले क्या किया? *(पद 29 देखें)*
- पतरस ने यीशु के बारे में कौन सी कुछ बातें कहीं? *(पद 38-43 देखें)*
- कुरनेलियुस को अपने मित्रों तथा परिवार के साथ कितनी जल्दी बपतिस्मा दे दिया गया था? *(पद 47 तथा 48 देखें)*
- पतरस तथा याफ़ा के उसके सहयोगियों ने नए विश्वासियों को बपतिस्मा देनें के पश्चात् क्या किया? *(पद 48 देखें)*

प्रेरितों के काम 9:32-43 में घरों (परिवारों)में मिलने के अन्य उद्देश्य देखें।

2) अपने सहयोगियों के साथ सप्ताह में किये जाने वाले क्रिया-कलापों की योजना बनायें

कलीसिया में लोगों के घरों में भेंट करने की योजना बनायें। अन्यों को आपने साथ लें, ताकि वे आपके उदाहरण से सीखें। कलीसिया के सदस्यों को संगठित करें, जिससे कि सारे परिवार कलीसिया के अन्य लोगों के द्वारा भेंट प्राप्त कर सकें।

उन लोगों भेट करने की योजनायें बनायें, जो बीमार तथा परेशानी में है, जिससे कि आप उनके लिये प्रार्थना कर सकें।

उन मित्रों तथा पारिवारिक सदस्यों के घरों पर भेंट करने की योजनायें, बनाये जिन्हें यीशु के बारे में ज्ञान नहीं है, जिससे कि आप उन्हें मसीह के बारे में बता सकें। अन्यों को अपने साथ ले जायें या उनके साथ उनके मित्रों तथा संबंधियों से भेंट करने के लिये जाये, जिससे कि वे आपके उदाहरण से सीख सकें। नए मसीहियों को यीशु के, तथा उसने उनके लिये क्या किया है, उसके बारे में एक साधारण साक्ष्य तैयार करने में सहायता करें जिससे कि वो अपना साक्ष्य या गवही मित्रों तथा परिवारों को बता सकें।

3) सहयोगियों के साथ आगामी आराधना की योजना बनायें

उन क्रिया-कलापों को चुने; जो वर्तमान आवश्यकताओं तथा स्थानीय रिवाज़ों के लिये उपयुक्त हो।

पतरस तथा उसके दल का कुरनेलियुस के घर पर सुसमाचार ले जाने वाली कहानी को बतायें या उसको अभिनीत करें।

भाग 1 में पाई बातों के बारे में प्रश्न पूछें।

व्यारव्या करें:

- हमें एक दूसरे को आपस में प्रोत्साहित करने के लिये तथा एक दूसरे के लिए प्रार्थना करने के लिए एक दूसरे के घरों में आना-जाना चाहिये।
- सामान्यत: हमें अकेले, नहीं अपितु जोड़ों तथा समूहों में जाना चाहिए।
- इधर उधर की बातों से बचने के लिये, एक पुरूष को एक स्त्री से उसके घर में अकेले नहीं मिलना चाहिये।

पतरस, अन्य विश्वासियों से उनको प्रोत्साहित करने तथा बीमारों के लिए प्रार्थना करने को मिलता था। परमेश्वर ने मीसह में एक बहन को मृतकों में से जिलाने के लिये उसका उपयोग किया।

हमें उन लोगों के घरों पर भी जाना चाहिये, जो मसीह के बारे में नहीं जानते हैं, जैसे पतरस कुरनेलियुस के घर गया था। पतरस ने कुरनेलियुस को यीशु के बारे में एक साधारण संदेश दिया था। हम जब उन लोगों के घरों में जाते हैं, जिन्हें यीशु के बारे में ज्ञान नहीं है तो हम उसी संदेश का उपयोग कर सकते हैं।

यहाँ वे महत्वर्पूण बातें हैं, जो पतरस ने यीशु के विषय में कहीं:

क) परमेश्वर चाहता है, कि सब लोग उसे जानें तथा उद्धार पायें। पद 34-36।

ख) परमेश्वर ने यीशु को बीमारों को चंगा करने के लिये तथा शैतान द्वारा सताये गए लोगों को चंगा करने के लिये, पवित्र आत्मा तथा सामर्थ से अभिषेक किया (पद 37-38)

ग) लोगों ने यीशु की मृत्यु, उसका दफनाया जाना तथा जी उठने के बाद प्रकट होने की गवाही दी (पद 39-41)

घ) जैसा कि भविष्यद्वक्ताओं ने बहुत पहले वादा किया था, यीशु हमें अपने नाम के द्वारा पापों का क्षमा का प्रस्ताव देता है। (पद 43)

ड) यीशु हमें इस सुसमाचार को सबके साथ बाँटने की आज्ञा देता है(पद 42)

1 पतरस 4:8-9 पढ़े। यह समझायें कि परमेश्वर एक दूसरे की पहुनाई करने वालों को आशीष देता है।

प्रभु भोज प्रस्तुत करने के लिये लूका 7: 36-50 पढ़ें, उस स्त्री के विषय में जिसे ने यीशु के पाँवों को आपने आसुँओं से धोया था। यह समझायें कि जैसे-जैसे हम यीशु का उपस्थिति में आते हैं, पवित्र आत्मा हमें हमारे पाप के लिए दोषी ठहराता है। हमें अपने पापों के पश्चाताप तथा परमेश्वर की क्षमा की महानता को स्मरण करने के लिए समय निकालना चाहिए। जितना अधिक हमें अपनी अधर्म का बोध होता है, उतना अधिक हम उसकी महान दया (कृपाद्वष्टि) के प्रति आभार तथा प्रेम का अहसास करते हैं।

बालकों से नाटक, कविता तथा प्रश्न जो उन्होंने तैयार किए हैं, प्रस्तुत करायें।

विश्वासियों से गवाही देने या सूचनायें देने के लिये कहें, कि कैसे परमेश्वर ने उन के घरों में उनकी सेवा करने में उनका उपयोग किया या कैसे परमेश्वर ने उनको आशीष दी, जब उन्होंने नए विश्वासियों के प्रति पहुनाई प्रस्तुत की।

दो या तीन के समूह बनायें, प्रार्थना के लिये, एक दूसरे को परामर्श देने के लिये तथा एक दूसरे से उनके घरों में मिलने की योजनाओं को निश्चित करने के लिये तथा अविश्वासियों सें भेंट करने जाने के लिये।

एक साथ यूहन्ना 1:14 स्मरण करें।